

गृह-बलि स्त्री. (तत्.) घर में पके अन्न के शेष बचे अंश से नित्य पशु, पक्षी आदि प्राणियों को दिया जाने वाला आहार।

गृह-भूमि स्त्री. (तत्.) वह स्थान जिस पर मकान स्थित हो, वास्तु-स्थान।

गृह (मंत्रालय) पुं. (तत्.) राष्ट्र के आंतरिक कार्यों की देखभाल करने वाला कार्यालय, गृहमंत्री का कार्यालय।

गृह-मृग पुं. (तत्.) कुत्ता।

गृहमेध पुं. (तत्.) गृहस्थ के करने योग्य पाँच यज्ञ।

गृहमेधी पुं. (तत्.) पंचयज्ञ करने वाला गृहस्थ।

गृहयुद्ध पुं. (तत्.) किसी राज्य के भीतर दो या अधिक गुटों के बीच शासन पर अधिकार/नियंत्रण करने के लिए सैनिक संघर्ष।

गृहलक्ष्मी स्त्री. (तत्.) 1. घर की लक्ष्मी/स्वामिनी, पत्नी 2. ऐसी पत्नी जिसकी सुशीलता, बुद्धिमत्ता और कार्यकुशलता के कारण घर में सुख समृद्धि हो।

गृह-वाटिक स्त्री. (तत्.) घर से लगा हुआ छोटा बगीचा जिसमें पेड़ लगाते हैं तथा सब्जियाँ उगाते हैं।

गृह-सचिव पुं. (तत्.) गृह-मंत्रालय का प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी।

गृह-सज्जा स्त्री. (तत्.) घर की सजावट।

गृहस्थ पुं. (तत्.) विवाहित पुरुष।

गृहस्थाश्रम पुं. (तत्.) ब्रह्मचर्य के बाद का आश्रम जीवन।

गृहस्थी स्त्री. (तत्.) परिवार और घर की सब जीवनोपयोगी सामग्री।

गृहस्वामिनी स्त्री. (तत्.) 1. घर की मालकिन 2. पत्नी।

गृहस्वामी पुं. (तत्.) घर का स्वामी, गृहपति।

गृहागत वि. (तत्.) घर आया हुआ पुं. अतिथि, मेहमान।

गृहाश्रम पुं. (तत्.) गृहस्थाश्रम।

गृहासक्त वि. (तत्.) 1. घर-परिवार से बहुत अनुराग रखने वाला 2. हर समय पत्नी, बच्चों आदि की चिंता में डूबा रहने वाला।

गृहिणी स्त्री. (तत्.) गृहस्वामिनी।

गृही पुं. (तत्.) गृहस्वामी, गृहस्थ व्यक्ति।

गृहीत वि. (तत्.) ग्रहण या प्राप्त किया हुआ।

गृहीतार्थ वि. (तत्.) जिसने अर्थ समझ लिया है, अर्थ-ज्ञाता।

गृहोद्यान पुं. (तत्.) गृह-वाटिका।

गृहोपकरण पुं. (तत्.) घर में आवश्यक सामान (वस्त्र, बर्तन आदि)।

गृह्य वि. (तत्.) घर में किया जानेवाला कार्य पुं. ग्रहण करने योग्य।

गेंड पुं. (तद्.) 1. डंठलों आदि से किसान द्वारा बनाया हुआ वह घेरा जिसमें वह अपनी फसल काटकर अनाज रखता है 2. मंडलाकार रेखा, मंडल या घेरा (देश.) ईख के ऊपर के पत्ते, अगौरा, गैड़ा।

गेंडना स.क्रि. (देश.) 1. गेंड बनाना 2. खेतों की सीमा पर चारों ओर मेड़ बनाना 3. खेत आदि को तार आदि लगाकर चारों ओर से घेरना 4. मंडलाकार रोक बनाना।

गेंडली स्त्री. (तद्.) 1. कुंडली 2. मंडलाकार रेखा या घेरा।

गेंडा पुं. (तद्.) एक जंगली पशु जिसके थुथने पर सींग होते हैं और भैंसे से मिलता-जुलता आकार-प्रकार होता है।

गेंड़ा पुं. (तद्.) ईख/ऊख के ऊपर के पत्ते, अगौरा 2. गन्ने के छोटे टुकड़े, गँडेरी।